हिमाचल प्रदेश के जिला मुख्यालयों में एस० टी० डी० की सुविधा

1590. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कौन-कौन से जिला मुख्यालयों में एस० टी० डी० सुविधा उपलब्ध नहीं है ।

(ख) उपरोक्त जिलों में एस० टी० डी० सुविधाएं कब तक प्रदान कर दी जायेंगी, और

(ग) हिमाचल प्रदेश में जिला मुख्यालयों के अतिरिक्त किन-किन कस्बों को वर्ष 1992-93 तथा 1993-94 के दौरान एस० टी० डी० सुविधा उपलब्ध कराये जाने का प्रस्ताव है ?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम): (क) जम्मू एवं कश्मीर में बडगाम और पुलवामा, मेघालय में नोंगपोह एवं बागमाड़ा और पंजाब में मान्सा एवं फतेहगढ़ साहिब ऐसे जिला मुख्यालय हैं, जहां एस० टी० डी० सुविधा उपलब्ध नहीं है ।

(ख) इस वर्ष के दौरान नोंगपाहे, बागमाड़ा, मानसा एवं फतेहगढ़ साहिब में एस० टी० डी० सुविधा प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है ।

1993-94 में जम्मू एवं कश्मीर में बड़गाम और पुलवामा में एस० टी० डी० सुविधा प्रदान किये जाने का प्रस्ताव है ।

(ग) वर्ष 1992-93 के दौरान हिमाचल प्रदेश के जिन कस्बों को एस० टी० डी० सुविधा से जोड़े जाने का प्रस्ताव है, उनके नाम संलग्न विवरण में दिए गए हैं (**नीचे देखिए**)

1993-94 के लिए प्रस्तावित कस्बों के नामों को अभी अन्तिम रूप नहीं दिया गया है ।

विवरण

हिमाचल प्रदेश के उन कस्बों के नाम जिन्हें वर्ष 1992-93 के दौरान एस० टी० डी० सुविधा से जोड़े जाने का प्रस्ताव है ।

1. मेहतपुर
2. भून्तर
3. चैल
4. काण्डाघाट
5. पछाड़ (सरहान)
6. संग्रह (रेनूका)
7. अर्की
8. नादोन
9. बंगाना
10. धियोग
11. सरकाघाट
12. जोगेन्द्र नगर
13. पालमपुर
14. बैजनाथ
15. थानेधर

Telephone and STD facility in the country specially in Rajasthan

1591. SHRI SHIV CHARAN SINGH : Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) what is the names of the State in the country where the telephone service is the best and at par with the foreign countries;

(b) what are the reasons for the difference in the matter of expansion of telephone services among the various States in the country;

(c) what are the reasons that while each and every tehsil headquarter in Uttar Pradesh has been linked with the S.T.D. service, the very big urban centres and subdistricts in other parts of the country are still deprived of this facility;

(d) what are the reasons for lack of communication services in Rajasthan;

(e) what are the reasons due to which the S.T.D. service which was scheduled to

be introduced in 1992 in Gangapur-Hindon-Karoli Towns of Rajasthan has not yet been started; and

(f) whether the expansion of telephone services is allowed on political considerations and if so, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM) : (a) The telephone services in the country is considered good and is on par or better than many developing countries in the world. No State has service comparable to advanced countries like U.S.A. or Japan.

(b) The expansion of telephone services in a particular State is subject to the extent of registered demand. There is an overall shortage of equipment. Available equipment is allotted roughly in proportion to the registered demand.

(c) The provision of STD facility to sub-divisional headquarters and tehsil headquarters all over the country have been given priority during the Eighth Plan. All tehsil headquarters in Uttar Pradesh have not been connected with STD facilities.

(d) The communication services in Rajasthan are not lacking and are satisfactory.

(e) The STD services at Gangapur-Hindon-Karoli could not be started during 1992 as these exchanges were of manual type. However, STD facilities have since been provided at Gangapur City and Karoli on 22-1-93 and 21-2-93 respectively. Hindon is likely to be provided STD facility by 31-3-93.

(f) No, Sir.

Rules for Publications of Telephone Director

1592. SHRI RAMSINH RATHWA : Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) what are the rules regarding publication of a telephone directory;

(b) whether these rules and norms are not followed in Gujarat while publishing telephone directory; and

(c) if so, what are the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM) : (a) Sir, Telephone Directories in English are published Secondary Switching Area-wise once in a year. These are also published in Hindi and Regional Languages when there is a reasonable demand for the same, which should normally be about 15% of the total requirement of telephone directories.

(b) and (c) The rules and norms have been followed with regard to publication of telephone directory in Gujarat. However, in some cases, the publication has been delayed due to procedural difficulties in finalising the tenders, award of contracts and due to delay on the part of the contractors.

गुजरात और उत्तर प्रदेश में डाक वितरण व्यवस्था की खराब स्थिति

1593. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी :**
श्री ईश दत्त यादव :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :–

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि गुजरात और उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर डाक वितरण व्यवस्था खराब हो गयी है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) इन स्थानों पर डाक सेवा में सुधार करने हेतु सरकार ने क्या कदम उठाए हैं ?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) और (ख) उत्तर प्रदेश में डाक वितरण व्यवस्था में कोई गिरावट नहीं आई है । तथापि, गुजरात में बड़े शहरों/कस्बों के बाह्य क्षेत्रों में नई कालोनियों के निर्माण में यदा कदा इस संबंध में शिकायतें प्राप्त हुई हैं ।